सामाजिक विज्ञान

(नागरिक शास्त्र)

अध्याय-3: हमें संसद क्यों चाहिए

SHIVOM CLASSES 8696608541

हम भारतीयों को इस बात का गर्व है कि हम एक लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा हैं। निर्णय प्रक्रिया में सहभागिता और लोकतांत्रिक सरकार के लिए नागरिकों सहमति के महत्व जैसे विचारों के आपसी संबंधों को समझने की कोशिश करेंगे। यही वे तत्व जो भारत में एक लोकतांत्रिक व्यवस्था का निर्माण करते हैं।

हमारी संसद देश के नागरिकों की निर्णय प्रक्रिया में हिस्सा लेने और सरकार पर अंकुश रखने में मदद देती है। इसी आधार पर संसद भारतीय लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण प्रतीक और संविधान का केंद्रीय तत्व है।

लोगों को फ़ैसला क्यों लेना चाहिए।

भारत 15 अगस्त 1947 को आज़ाद हुआ। 1885 में ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने माँग की कि विधायिका में निर्वाचित सदस्य होने चाहिए।

1909 गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया एक्ट ने कुछ हद तक निर्वाचित प्रतिनिधित्व की व्यवस्था को मंजूरी दे दी।

ई.वी.एम :- इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का 2004 के आम चुनावों में पहली बार पूरे देश में इस्तेमाल किया गया।

सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार :- देश के सभी वयस्क नागरिकों (जो 18 वर्ष से अधिक है) को वोट देने का अधिकार है।

लोग :- लोग ही लोकतांत्रिक सरकार का गठन करते हैं। लोकतंत्र में व्यक्ति या नागरिक ही सबसे महत्वपूर्ण है ।

प्रतिनिधि :- लोग ही संसद के लिए अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करते हैं।

सरकार :- निर्वाचित प्रतिनिधियों में से एक समूह सरकार बनाता है।

संसद :- जनता द्वारा चुने गए सभी प्रतिनिधियों के इस समूह को ही संसद कहा जाता है। संसद सरकार को नियंत्रित करती है और उसका मार्गदर्शन करती है।

संसद की भूमिका

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

भारतीय संसद देश की सर्वोच्च कानून निर्माता संस्था है। इसके दो सदन है। राज्य सभा और लोकसभा

राज्यसभा में कुल 250 सदस्य होते है। देश के उपराष्ट्रपति राज्यसभा के सभापति होते हैं।

लोकसभा में कुल 545 सदस्य होते हैं। इसकी अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष करते हैं।

भारतीय संसद लोकतंत्र के सिद्धांतों में भारतीय जनता की आस्था का प्रतीक है। हमारी व्यवस्था में संसद के पास महत्वपूर्ण शक्तियाँ हैं।

निर्वाचन क्षेत्र :- देश को बहुत सारे निर्वाचन क्षेत्रों में बाँटा गया है।

संसद की भूमिका :- संसद सदस्य या सांसद (एम.पी) कहलाते हैं।

संसद में निम्न लोग होते हैं:-

संसद में विभिन्न पृष्ठभूमि वाले लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है।

उदाहरण वेफ लिए, अब ग्रामीण पृष्ठभूमि वाले सदस्यों की संख्या पहले

से श्यादा है। बहुत सारे क्षेत्रीय दलों वेफ सदस्य भी अब बढ़ गए हैं। जिन

समूहों और तबकों का अब तक संसद में कोई प्रतिनिधित्व नहीं था, वे

अब चुनाव जीत कर आने लगे हैं

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

1. **राष्ट्रीय सरकार का चुनाव करना :-** यदि कोई राजनीतिक दल सरकार बनाना चाहता है तो उसे निर्वाचित सांसदों में बहुमत प्राप्त होना चाहिए। लोकसभा में कुल 543 निर्वाचित सदस्य (और 2 मनोनीत सदस्य) होते हैं। इसलिए बहुमत हासिल करने के लिए लोकसभा में किसी भी दल के पास कम से कम 272 सदस्य होने चाहिए।

कार्यपालिका का चुनाव करना लोकसभा का एक महत्वपूर्ण काम होता है।

कार्यपालिक :- संसद द्वारा बनाए गए कानूनों को लागू करने के लिए मिलकर काम करते हैं। सरकार शब्द का इस्तेमाल करते हैं तो हमारे ज़ेहन में अकसर यही कार्यपालिका होती है।

प्रधानमंत्री :- लोकसभा में सत्ताधारी दल का मुखिया होता है।

राज्यसभा :- राज्यों की प्रतिनिधि के रूप में काम करती है।

राज्यों की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य करते हैं। राज्यसभा में 238 निर्वाचित सदस्य होते हैं। और 12 सदस्य राष्ट्रीपति की ओर से मनोनीत किए जाते हैं।

गठबंधन:- साझा सरकार।

UPA – इसका नेतृत्व भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस करती है।1885

(संप्रग)संयुक्त प्रगतिशील गठबन्धन

(UPA) United Progressive Alliance

NDA :- इसका नेतृत्व भारतीय जनता पार्टी करती है। 1980

(राजग) राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबन्धन

(NDA)National Democratic Alliance

प्रश्नकाल :- इसके माध्यम से सांसद सरकार के कामकाज के बारे में जानकारियाँ हासिल करते हैं। इसके जरिए संसद कार्यपालिका को नियंत्रित करती है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

लोकतंत्र के स्वस्थ संचालन में विपक्षी दल एक अहम भूमिका अदा करते हैं।

सासंदो के प्रश्नों से सरकार को भी महत्वपूर्ण फीडबैक मिलता है।

जनप्रतिनिधियों के रुप मे संसद को नियंत्रित, निदेर्शित , और सूचित करने में सांसदों की एक अहम भूमिका होती है और यह भारतीय लोकतंत्र का एक मुख्य आयाम है।

2. **कानून बनाना :-** कानून बनाना संसद का एक महत्वपूर्ण काम है।

   संसद में 84 सीटें अनुसूचित जाति (एस. सी.) और 47 सीटें अनुसूचित जनजाति (एस.टी.)

लोग और उनवेफ प्रतिनिधि

सहमति का विचार लोकतंत्रा का प्रस्थानबिंदु होता है। सहमति का मतलबहै चाह, स्वीवृफति और लोगों की हिस्सेदारी। लोगों का निर्णय ही लोकतांत्रिक सरकार का गठन करता है और उसवेफ कामकाज वेफ बारे में फैसला देता है। इस तरह वेफ लोकतंत्रा वेफ पीछे मूल सोच यह होती है कि व्यक्ति या नागरिक ही सबसे महत्त्वपूर्ण है और स्तर पर सरकार एवं अन्य सार्वजनिक संस्थानों में इन नागरिकों की आस्था होनी चाहिए।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 41)

प्रश्न 1 राष्ट्रवादी आंदोलन ने इस विचार का समर्थन किया कि सभी वयस्कों को मत देने का अधिकार होना चाहिए ?

उत्तर –

सन 1885 में ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने माँग की कि विधायिका में निर्वाचित सदस्य होने चाहिए और उन्हें बजट पर चर्चा करने एवं प्रश्न पूछने का अधिकार मिलना चाहिए। 1909 में बने गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया एक्ट ने कुछ हद तक निर्वाचित प्रतिनिधित्व की व्यवस्था को मंजूरी दे दी। हालाँकि ब्रिटिश सरकार के अंतर्गत बनाई गई शुरुआती विधायिकाएँ राष्ट्रवादियों के बढ़ते जा रहे दबाव के कारण ही बनी थी। लेकिन इनमें भी सभी वयस्कों को न तो वोट डालने का अधिकार दिया गया था और न ही आम लोग निर्णय प्रक्रिया में हिस्सा ले सकते थे। क्योंकि राष्ट्रीय नेता इस एक्ट से संतुष्ट नहीं थे। 1919 एवं 1935 के एक्ट के अंतर्गत मतदाताओं की संख्या बढ़ी परन्तु वयस्क निर्माण मताधिकार लागू नहीं किया गया। भारतीय नेताओं ने वयस्क मताधिकार की मांग की और जब उन्हें संविधान निर्माण का अवसर मिला तो उन्होंने वयस्क मताधिकार के सिद्धांत को लागू किया।

प्रश्न 2 बगल में 2004 के संसदीय चुनाव क्षेत्रों का नक्शा दिया गया है। इस नक्शे में अपने राज्य के चुनाव क्षेत्रों को पहचानने का प्रयास करें। आपके चुनाव क्षेत्र के सांसद का क्या नाम है ? आपके राज्य से संसद में कितने सांसद जाते हैं ? कुछ निर्वाचन क्षेत्रों को हरे और कुछ को नीले रंग में क्यों दिखाया गया है ?

SHIVOM CLASSES 8696085541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

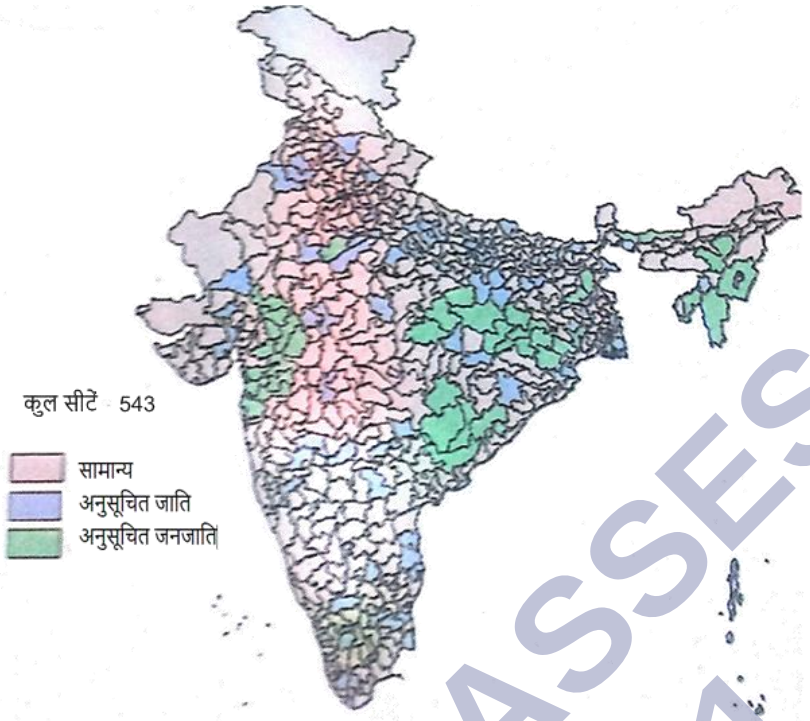

उत्तर – संसदीय चुनाव क्षेत्रों का मानचित्र-

- विद्यार्थी जिस राज्य, जिस चुनाव क्षेत्र से आते हैं उसी के अनुसार स्वयं उत्तर दें।
- हरे रंग के निर्वाचन क्षेत्र को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित किया गया है।
- नीले रंग के निर्वाचन क्षेत्र को अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित किया गया है।

प्रश्न 3 अध्याय 1 में आपने पढ़ा था कि भारत में प्रचलित ‘ संसदीय शासन व्यवस्था में तीन स्तर होते हैं। इनमें से एक स्तर संसद (केंद्र सरकार) तथा दूसरा स्तर विभिन्न राज्य विधायिकाओं (राज्य सरकारों) का होता है। अपने क्षेत्र के विभिन्न प्रतिनिधियों से संबंधित सूचनाओं के आधार पर निम्नलिखित तालिका को भरें :-

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

	राज्य सरकार	केंद्र सरकार
कौन सा / से राजनीतिक दल अभी सत्ता में है ?		
आपके क्षेत्र से निर्वाचित प्रतिनिधि कौन है ?		
अभी कौन-सा राजनीतिक दल विपक्ष में है ?		
पिछले चुनाव कब हुए थे ?		
अगले चुनाव कब होंगे ?		
आपके राज्य से कितनी महिला प्रतिनिधि है ?		

उत्तर –

	राज्य सरकार	केंद्र सरकार
कौन सा / से राजनीतिक दल अभी सत्ता में है ?	भारतीय जनता पार्टी	भारतीय जनता पार्टी
आपके क्षेत्र में निर्वाचन प्रतिनिधि कौन है ?	श्री मनोहर लाल खट्टर	प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
अभी कौन-सा राजनीतिक दल विपक्ष में है ?	इंडियन नेशनल लोकदल	इंडियन नेशनल लोकदल
पिछले चुनाव कब हुए थे ?	2019	2019
अगले चुनाव कब होंगे ?	2024	2024
आपके राज्य से कितनी महिला प्रतिनिधि है ?	9	78

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)